हिमालय – भारत का गौरव

Himalaya – Bharat ka Gaurav

दुनिया में बहुत से बड़े पर्वत हैं। हिमालय संसार के सब पर्वतों का राजा है। इसलिए इसे 'गिरिराज' भी कहा जाता है। यह सबसे लंबा, सबसे चौड़ा और सबसे ऊंचा पर्वत है। अफगानिस्तान की सीमा से लेकर म्यांमार तक इसका विस्तार है। इसकी शाखांए रूस और चीन तक जा पहुंची हैं। जिस प्रकार समुद्र अनंत और अथाह है, वैसे ही हिमालय भी विराट है।

हिमालय दो शब्दों से बना है हिम+आलय। हिम का अर्थ है बर्फ और आलय का अर्थ है घर अर्थात बर्फ का घर। तात्पर्य यह है कि हिमायल के ऊपर बारह महीने बर्फ जमी रहती है। इसी पर्वत के ऊपर मानसरोवर झील है। उसी के समीप कैलास पर्वत है, जो शिवजी का निवास स्थान है। हिमालय की ही गोद में देवी पार्वती का जन्म हुआ। हमारे देश के कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल और असम राज्य हिमालय के चरणों में बसे हुए हैं। देश की सभी बड़ी नदियां जैसे-सिंधु, गंगा, यमुना, कोसी और ब्रह्पुत्र हिमालय से ही निकली हैं। इसकी सबसे ऊंची चोटी का नाम एवरेस्ट है। जो 21000 फीट ऊंची है। इस चोटी पर सबसे पहले सन 1953 में शेरपा तेन सिंह ने चढने में सफलता प्राप्त की।

हिमालय का मनोहारी दृश्य संसार में बेजोड़ माना जाता है। दार्जिलिंग का सूर्योदय और कश्मीर का सूर्यास्त देखते ही बनता है। दूर-दूर से पर्यटक दार्जिलिंग में सुबह का दृश्य देखने के लिए इकट्ठा होते हैं। सूर्य की पीली किरणें बर्फ के ऊपर पड़ती हैं तो सारा पहाड़ सोने सा चमकने लगता है। फिर थोड़ी ही देर में वह चांदी का पहाड़ हो जाता है। ऐसे ही हिमालय क्षेत्र में लगे चाय के बगीचे, अपने आप उगे जंगल, स्थान-स्थान पर झरने, विभिन्न पशु-पक्षियों की मधुर आवाजें मन को मोहनेवाली होती हैं। देहरादून, नैनीताल, शिमला और मसूरी अपने ढंग से बेजोड़ पहाड़ी शहर है। बदरीनाथ का तीर्थ हिमालय में ही है। हिमालय की गोद में बसा कश्मीर तो पृथ्वी का स्वर्ग ही है। कश्मीर की प्राकृतिक छटा देखने के लिए लाखों यात्री हर वर्ष वहां जाते हैं।

हिमालय से नदियों को वर्ष भर जल मिलता है, जिससे भारत हरा-भरा बना हुआ है।

हिमालय रूस की ओर से आने वाली उत्तर की ठंडी हवाओं को रोकता है, जिससे देश की जलवायु बिगडऩे नहीं पाती।

हिमालय से टकराकर मानसून भारत में वर्षा कराता है।

पूरे हिमालय क्षेत्र में बड़े-बड़े जंगल हैं, जिनसे इमारती और जलाने की लकडिय़ां प्राप्त होती हैं।

हिमालय क्षेत्र में उपयोगी जड़ी-बूटियां पाई जाती हैं, जिससे औषधियां तैयार की जाती हैं।

हिमालय क्षेत्र में अनेक खाने हैं, जिनसे देश की समृद्धि बढ़ती है।

हिमालय क्षेत्र में बहुत से जंगली पशुओं को पाया जाता है। जिनका चमड़ा, मांस और हड्डियां काम आती हैं।

हिमालय उत्तर से आने वाले शत्रुओं से देश की रक्षा करता है।

अपनी सुंदरता और प्राकृतिक छटा के कारण हिमालय ने कवियों को प्रेरणा दी है। कवि तुलसीदास इससे विशेष रूप से प्रभावित थे।